

पाठ 7: व्यावहारिक प्रार्थना

क. संकट में प्रार्थना

1. 1 राजा 18:37 राष्ट्र के संकट के समय एलिय्याह की प्रार्थना के बारे में आपके क्या विचार हैं?
2. एलिय्याह की सरल प्रार्थना का यहोवा परमेश्वर ने कैसे उत्तर दिया, और कर्मेल पर्वत पर एकत्र लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी? 1 राजा 18:38
3. कर्मेल पर्वत की घटना के बाद, व्यक्तिगत संकट के समय एलिय्याह ने कैसे प्रार्थना की? 1 राजा 19:1-4
4. यहोवा परमेश्वर ने एलिय्याह की इस प्रार्थना का कैसे उत्तर दिया? 1 राजा 19:5-18
5. यह कहानी हमें प्रार्थना और हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देने वाले परमेश्वर के स्वभाव के बारे में क्या सिखाती है?

ख. जब प्रार्थनाओं का उत्तर मिलता हुआ नहीं दिखता

1. भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने अपनी प्रार्थना के उत्तर में किस प्रकार की प्रतीत होने वाली देरी का अनुभव किया? 1 राजा 18:41-45
2. कभी-कभी परमेश्वर का उत्तर “नहीं” भी होता है। एलिय्याह की किस प्रार्थना के लिए परमेश्वर ने “नहीं” कहा? (1 राजा 19:4)
3. उस समय को साझा करें जब आपने अपनी प्रार्थना के उत्तर में देरी या परमेश्वर की ओर से “नहीं” का अनुभव किया। उस अनुभव से आपने क्या सीखा?

ग. यीशु से प्रार्थना के बारे में सीख

1. प्रार्थना के संबंध में यीशु ने कौन-से व्यावहारिक निर्देश दिए? मत्ती 6:5-8
2. जब शिष्यों ने प्रार्थना करना सीखने की इच्छा व्यक्त की, तो यीशु ने कैसे उत्तर दिया? लूका 11:1-4
3. प्रभु की प्रार्थना स्तुति से शुरू होती है। परमेश्वर की स्तुति करना हमारे प्रार्थना समय का एक महत्वपूर्ण भाग क्यों है? (भजन संहिता 18:3; 100:4; 9:1-2; 92:1-2 आदि)
4. प्रभु की प्रार्थना में आप और कौन-से महत्वपूर्ण तत्व देखते हैं?
5. मत्ती 6:9 में दर्ज यीशु के शब्दों से हम क्या सीख सकते हैं?
6. हम यीशु की प्रार्थनाओं से प्रार्थना करने के बारे में क्या सीख सकते हैं? (लूका 10:21-22; यूहन्ना 11:41-42; लूका 22:41-42; यूहन्ना 17; लूका 6:12 आदि)

घ. प्रार्थना के बारे में और व्यावहारिक सीख

1. प्रेरित पौलुस की इन शिक्षाओं से हम प्रार्थना के बारे में कौन-से पाठ सीख सकते हैं? कुलुस्सियों 4:2; 1 थिस्सलुनीकियों 5:17; इफिसियों 6:18
2. पवित्रशास्त्र के इन अंशों से आपने प्रार्थना के बारे में और कौन-सी व्यावहारिक सीखें पाई हैं? एब्र 10:1; नहेमायाह 1:4-11; दानिय्येल 9:3-19 आदि
3. उस समय को साझा करें जब आपकी प्रार्थना विशेष रूप से आपके लिए अर्थपूर्ण रही हो।
4. आज के अध्ययन के परिणामस्वरूप, परमेश्वर के साथ आपके प्रार्थना समय में किस प्रकार का परिवर्तन आ सकता है?